प्रश्न-1. क्या भारत को वन बेल्ट वन रोड परियोजना में हिस्सा लेना चाहिए? इसके पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत करें। **(150 शब्द, 10 अंक)**

Should India participate in 'one belt one road' project.present arguments in favour and in against. **(150 words, 10 Marks)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में 'वन बेल्ट वन रोड' को समझाऐं।
- अगले पैरा में बताएं भारत को इसमें क्यों शामिल होना चाहिए?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

'वन बेल्ट वन रोड' चीन द्वारा प्रस्तावित एक परियोजना है जिसके अंतर्गत वह चीन, अफ्रीका, एशिया तथा यूरोपीय महाद्वीप को सड़क, रेल, बंदरगाह तथा अन्य अवसंरचनाओं से जोड़कर एक आर्थिक गलियारे का निर्माण करना चाहता है। इस परियोजना का उद्देश्य आर्थिक विकास के साथ-साथ वैश्विक मंच पर चीन को अपनी रणनीतिक सर्वोच्चता भी साबित करना है।

पक्ष
- ओबोर में शामिल होकर भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकता है।
- भारत-चीन सहयोग का एक नया माध्यम साबित हो सकता है।
- भारत के लिए यह ट्रांसपैसिफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) तथा ट्रांसलेटिक ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट पार्टनरशिप के समक्ष एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।
- हालांकि, ओबोर को लेकर भारत का रूख संदेहास्पद रहा हैं और वह किसी भी प्रकार की भागेदारी से खुद को दूर रखना चाहता है।

विपक्ष
- चीन-पाक आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जो कि ओबोर का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह गलियारा विवादस्पद पाक अधिकृत कश्मीर के हिस्से से होकर गुजरता है। इस पर भारत को आपत्ति है।
- सीपीईसी से संबंधित भारत के इस दावे की राजनीतिक महत्ता हो सकती है, परन्तु यह किसी भी तरह से पाक-अधिकृत कश्मीर की वापसी की संभावनाएँ नहीं बढ़ाता, न तो भारत चीन को इस क्षेत्र में काम करने से रोक सकता है।
- भारत को विश्व शक्ति बनने के लिए एक स्वतंत्र कॉरिडोर कनेक्टिविटी मध्य एशिया के लिए विकसित किया जाना चाहिए, जिस पर अभी चर्चा चल रही है।
- चूंकि यह परियोजना पाक अधिकृत कश्मीर से निकलती है। ऐसी स्थिति में अगर भारत इस परियोजना से जुड़ता है तो वह वैश्विक मंच पर कश्मीर को लेकर अपनी बात उस तरीके से नहीं उठा पाएगा जैसे वर्तमान में उठाता है।

नोट-
- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-2. अफ्रीका में भारत-चीन प्रतिस्पर्धा के कारणों को स्पष्ट करते हुए दोनों की रणनीति में अंतर को समझाएं। साथ ही भारत को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए क्या करना चाहिए? (250 शब्द, 15 अंक)

Explaining the reasons of competition between india and china in Africa tell the differ ences in the strategies of the respective countries and also mention what india should do to remain in the competition? (250 words, 15 Marks)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में भारत-अफ्रीका के संबंधों को संक्षिप्त में समझाऐं।
- अगले पैरा में दोनों की क्या रणनीति है? स्पष्ट करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

अफ्रीका में भारत व चीन की रणनीति में अंतर-

- चीन द्वारा अफ्रीका में राजनीतिक दखलअंदाजी की जा रही है और तानाशाही सरकारों को समर्थन दिया जा रहा है जैसे-जिम्बाब्वे, सूडान इत्यादि जबकि भारत इन देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर रहा है और लोकतांत्रिक सरकारों की स्थापना के लिए प्रयासरत है। जैसे-इथोपिया, केन्या।
- चीन यहाँ अपने हितों को पूरा करने के लिए सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। कई अलगाववादी समूह चीन से सहायता प्राप्त करते हैं, जबकि भारत ने इन देशों में शांति स्थापना के लिए UN के अंतर्गत शांति सेना (PKF) की तैनाती की है। इथोपिया के बाद शांति सेना (PKF) भेजने में भारत दूसरे स्थान पर है।
- चीन यहां के संसाधनों का दोहन अपने आर्थिक विकास के लिए कर रहा है, जबकि भारत का उद्देश्य अफ्रीका का विकास करना है।
- चीन अफ्रीका में कृषि उपनिवेशवाद को बढ़ावा दे रहा है जिससे इन राष्ट्रों में भुखमरी व कुपोषण बढ़ रहा है, जबकि भारत अमेरिका के साथ मिलकर अफ्रीकी राष्ट्रों में कृषि तकनीक को बढ़ावा देने की परियोजना चला रहा है।
- चीन ने अफ्रीका से कच्चा माल लेकर उसे पूंजीगत माल बेचा है। जिससे भुगतान संतुलन (BOP) चीन के पक्ष में है और अफ्रीका को बड़ा घाटा होता है, जबकि भारत ने अफ्रीकी संसाधनों के स्थानीय उपयोग के लिए वहां निवेश किया है। भारत द्वारा अफ्रीका में रेल, सड़के, पोर्ट, भू संचार जैसे अवसंरचना प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं।
- चीन द्वारा स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा नहीं किए जा रहे, जिससे गरीब, बेरोजगार युवा आतंकवाद की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि भारत ने अफ्रीकी छात्रों को कई स्कॉलरशिप और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। जिससे दोनों पक्ष और करीब आ रहे हैं।

आज अफ्रीका जिन समस्याओं से जूझ रहा है वो भारत के लिए भी पेरशानी बन चुकी है, अत: भारत को अफ्रीका में अलगाववाद सशस्त्र संघर्ष, नृजातीय संघर्ष आदि में मदद करनी होगी। भारत अपने PDS और मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का प्रयोग अफ्रीका में विकास के लिए कर सकता है। अत: आपदा प्रबंधन, सोमालिज पाइरेट्स पर नियंत्रण, मौसम का पूर्वानुमान और ब्लू इकोनॉमी जैसे मुद्दों पर भारत अफ्रीका सहयोग अधिक हो सकता है।

नोट-
- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-3. ''आतंकवाद के बढ़ते प्रभाव के चलते अमेरिका और भारत के बीच अभूतपूर्व अभिसरण हुआ है। दोनों देशों के निकट संबंधों के लिए यह अनिवार्यतः सुनिश्चित है।'' इस कथन के संदर्भ में स्पष्ट करें कि आखिर क्यों आतंक के मुद्दे पर अमेरिका पाकिस्तान पर अधिक दबाव बना रहा है? (150 शब्द, 10 अंक)

"Due to the growing influence of terrorism, there has been an unprecedented convergence in the relations between India and America,This compulsion is necessary for the relations between the two countries".Explain in the context of the statement why the US is pressurizing Pakistan over the issue of terrorism. (250 words, 15 Marks)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में भारत-अमेरिका के संबंधों में क्या प्रगाढ़ता आयी है? स्पष्ट कीजिए।
- भारत-अमेरिका के मध्य आतंकवाद पर कई समझौते किए गए हैं, स्पष्ट कीजिए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

वर्तमान समय में भारत-अमेरिका संबंधों में अत्यधिक प्रगाढ़ता देखी गयी है, जिसके पीछे एक महत्वपूर्ण कारण आतंकवाद का मुद्दा भी है। दोनों देशों ने यह सुनिश्चित किया है कि वे आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का समर्थन नहीं करते और बढ़ते आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

दोनों देश आतंकवाद पर कई समझौतें कर रहे हैं जो निम्नलिखित हैं-

- दोनों देश आतंकवाद के सभी रूपों की आलोचना करते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संगठनों जैसे-अलकायदा, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, D-कंपनी, हक्कानी नेटवर्क, हिजबुल मुजाहिद्दीन आदि को प्रतिबंधित सूची में शामिल किया है और इनके नेताओं को वैश्विक आतंकवादी माना हैं।
- दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के समग्र कन्वेंशन को पास करवाना चाहते हैं, जिससे आतंकवाद की वैश्विक परिभाषा स्पष्ट हो सके।
- दोनों देश मिलकर पाकिस्तान पर दबाव बना रहे हैं कि वो 26/11 और पठानकोट हमले के दोषियों को सजा दें और अपनी जमीन का प्रयोग अन्य देशों पर आतंकी हमले के लिये न होने दें।
- भारत अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियाँ संदिग्ध व्यक्तियों और आतंकवादियों पर जानकारी को साझा कर रही हैं।
- अमेरिका और भारत ने उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम की निंदा की है और इसे वैश्विक शांति के खिलाफ बताया है। दोनों देश उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाने के लिये सहयोग करने को तैयार है।
- भारत और अमेरिका ने सैन्य समझौते का विस्तार किया है। White Shiping पर समझौता किया है। दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षित करने के लिये मिलकर प्रयास करने को तैयार है।

नोट-

- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-4. हाल ही में घटित नेपाल के नवनिर्मित सरकार के पास लगभग नौ माह का समय शेष है, ऐसे में उनके समक्ष कई प्रकार की चुनौतियां हैं, समझाइए। साथ ही यह भी बताएं कि नेपाल में चीन अपनी स्थिति किस प्रकार सशक्त कर रहा है? ऐसी परिस्थिति में भारत को नेपाल के प्रति किस प्रकार अपनी नीति अपनानी चाहिए?
(250 शब्द, 15 अंक)

Recently elected government of Nepal is left with only 9 months time period in this it has many challenges in front of it. explain.along with it also tell how china is trying to make its presence stronger in Nepal,in this scenario what type of policy should be adopted by India towards Nepal.
(250 words, 15 Marks)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में नेपाल की नई सरकार को सम्मिलित कीजिये।
- अगले पैरा में नवगठित सरकार के समक्ष चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए।
- फिर अगले पैरा में चीन की भूमिका को समझाऐं।
- फिर अगले पैरा में भारत को नेपाल के प्रति किस प्रकार की नीति अपनानी चाहिए?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

हाल ही में नेपाल में नई सरकार के गठन के पश्चात् वहाँ शेर बहादुर देउबा को प्रधानमंत्री बनाया गया है। शेर बहादुर के पास मात्र 9 माह का कार्यकाल है, जिसके दौरान उन्हें कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न करने हैं।

- सरकार की तात्कालिक चुनौती बचे हुए चार राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनावों के दूसरे चरणों को संपन्न कराना है।
- चारों राज्यों में से दो तराई राज्य भी शामिल हैं, जहां मधेशी बहुत बड़ी संख्या में हैं।
- मधेशियों द्वारा मांग की गयी कि जब तक उनके इच्छा के अनुरूप संवैधानिक संशोधन नहीं पारित कर दिया जाता, तब तक वे स्थानीय निकाय के चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे।

चीन की भूमिका-
- पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री ओली द्वारा चीन के साथ एक ट्रांजिट ट्रेड समझौता किया गया, जिसमें रेल लिंक भी शामिल है।
- पहली बार नेपाल एवं चीन के बीच वर्ष 2017 के प्रारंभ में संयुक्त सैन्याभ्यास किया गया।
- चीन के द्वारा गंडक नदी में 1200 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना नेपाल में प्रस्तावित।
- चीन तिब्बत से होकर नेपाल में सड़क मार्ग के विकास पर भी कार्य कर रहा है।

भारत की नीति-
- भारत को नेपाल की नवगठित सरकार का पूरा समर्थन करना चाहिए, ताकि नेपाली सरकार स्थानीय निकायों के चुनाव सहित प्रांतिय एवं संसदीय चुनावों का आयोजन समय पर करा सकें।
- भारत को 'नेबरहुड फर्स्ट नीति' का पालन करते हुए नेपाल के साथ उदार व्यवहार करना चाहिए तथा उसे वित्तीय मदद उपलब्ध करानी चाहिये।

नोट-
- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।